STEPPING STONE
SCHOOL (HIGH)

Sub:2nd language (Hindi)

Topic: Rapid reader Ch-1.

Class -V.

Date:. 6/5/2020.

Time limit:40 mins.

Worksheet no;10.

दिए गए शेष अंश को ध्यानपूर्वक पढ़कर रेखांकित वर्तनी लिखिए।

अकबर ने फिर कहा– "मालूम होता है, उसके पास ओढ़ने-पहनने को ऊनी कपड़े पूरे नहीं थे।"

बीरबल ने कहा–"नहीं जहाँपनाह, जिस पर आपकी कृपा-दृष्टि हो, उसे ओढ़ने-पहनने की कमी कैसे हो सकती है। वह तो सिर से पैर तक ऊनी कपड़ों से ढका हुआ था। फिर भी सरदी उसके शरीर के अंदर तक पहुँच ही गई।" उसे खूब गरमागरम काढ़ा पिलाकर ठीक करने को कहा गया।

अकबर ने पूछा–"उसे नींद तो खूब अच्छी आती होगी?" बीरबल ने जवाब दिया–"हुजूर, सुना तो यही है कि जब से वह उस कोठी में आया है, तभी से रात में ठीक से नहीं सोया। मुलायम से मुलायम गद्दों पर उसे लिटाकर नौकर घंटों उसके पैर दबाते हैं, तब कहीं उसे थोड़ी-बहुत नींद आती है।"

अकबर ने पूछा–"क्यों, क्या बात है? जब वह बिना कपड़ों के था, तब तो उसे सरदी नहीं लगी। यहाँ आराम से खाने-पीने तथा ओढ़ने-पहनने पर भी ठंडी हवा लगने से उसे सरदी लग गई। कहाँ तो वह कंकड़-पत्थर पर मजे से सो लेता था और अब उसे मुलायम गद्दों पर भी नींद नहीं आती। आश्चर्य की बात है।"

बीरबल ने कहा–"इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है, जहाँपनाह! वह बेचारा अमीरी का कष्ट भोग रहा है।"

अकबर ने पूछा–"अमीरी से भी तकलीफ़! वह कैसे?"

बीरबल ने कहा–"उसका नमूना सामने है। जो आदमी किसी दिन कंकड़-पत्थर पर भी आराम से सो लेता था, वही आज मुलायम गद्दे के सहारे भी नहीं सो सकता। यह अमीरी का ही तो दंड है। पहले वह दिन भर मेहनत करता था, इससे उसका शरीर ठीक रहता था और उसे मनचाही नींद आसानी से मिल जाती

थी। अब जरूरत से ज्यादा आराम ने उसे ऐसा सुकुमार बना दिया है कि वह साधारण कष्ट भी नहीं सह सकता, मामूली सरदी-गरमी भी सह नहीं सकता। ऐसा सुख किस काम का।"

अकबर को बीरबल की इस बात पर विश्वास नहीं हुआ। रात में वह बीरबल को साथ लेकर स्वयं उस नकली अमीर की कोठी पर गए। वहाँ खिड़की से झाँककर देखा कि नकली अमीर बिस्तर पर पड़े-पड़े करवटें बदल रहे हैं। बादशाह के इशारे पर बीरबल ने उससे पूछा—"क्यों भाई! मालूम होता है, आपको नींद नहीं आ रही। क्या बात है?"

उस नकली अमीर ने लेटे ही लेटे कहा–"कुछ न पूछिए, जनाब! बिस्तर में कोई चीज़ ऐसी चुभती है कि मेरी नींद उचट जाती है, लगता है नालायक नौकरों ने बिस्तर को ठीक से झाड़कर नहीं बिछाया।"

बीरबल ने अंदर आकर बिस्तर को ठीक से देखा तो चादर के नीचे एक बिनौला था। उसे बादशाह को दिखाकर वे बोले–"देखिए, जहाँपनाह! आज इसी बिनौले की वजह से अमीर साहब को नींद नहीं आ रही थी। पहले इन्हें कंकड़ भी नहीं चुभता था, मगर अब यह छोटा-सा कपास का बीज इन्हें तंग कर रहा है। इतनी देर से ये परेशान हैं, लेकिन अपने हाथ से इन्होंने बिस्तर झाड़ने का कष्ट नहीं किया। यही सब तो अमीरी के दंड हैं।"

सम्राट अकबर मंत्री बीरबल की बात मान गए। दूसरे ही दिन उन्होंने उस नकली अमीर को अपने आराम-भवन (कोठी) से विदा कर दिया।

❑❑

पाठ के शेष बचे हुए अंश में यह बताया गया है कि अकबर द्वारा नकली अमीर व्यक्ति का हाल पूछे जाने पर बीरबल बताते हैं कि उसे बुखार है। अकबर ने उसे काढ़ा पिलाकर ठीक करने को कहा। जब उसकी नींद के बारे में जानना चाहा तो पता चला कि वह व्यक्ति इतनी सुख-सुविधाओं के बावजूद कई दिनों से ठीक से नहीं सोया। अकबर को जानकर बहुत आश्चर्य हुआ। तब बीरबल ने उन्हें बताया कि इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं क्योंकि वह पहले दिन-भर मेहनत करता था, तो इससे उसका शरीर ठीक रहता था और उसे मीठी और अच्छी नींद आती थी, पर अब अमीरी के कारण वह अपना काम भी स्वयं नहीं करता। जिससे वह सुकुमार बन गया और थोड़ा भी कष्ट सहन नहीं करता। जब अकबर ने स्वयं ही यह सब देखा तो वे बीरबल की बात मान गए और उस नकली अमीर को अपनी कोठी से विदा कर दिया।

अतः हमें परिश्रम कर स्वस्थ जीवन जीना चाहिए और झूठी दिखावे के चक्कर में पड़कर स्वयं को हानि नहीं पहुँचाना चाहिए।

बच्चों वर्तनी और शब्दार्थ साफ और स्पष्ट लिखकर उन्हें याद कीजिए।

शब्दार्थ

1) इशारा - संकेत।
2) दुर्लभ - कठिन।
3) प्रस्ताव - सुझाव।
4) सुकुमार - कोमल।
5) बिनौला - छोटा सा कपास का बीज।
6) उचट - टूट।